

प्रेषक,

पी0एल0 शाह,

उप सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त नियंत्रक,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी जिला नैनीताल ।

शिक्षा अनुनाम-6 (उच्च शिक्षा)

देहसदून दिनांक 28 जनवरी, 2010

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित अवशेष धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या : Admn/01/53/09-2010 दिनांक 26 नवम्बर 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आलोच्य वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनागत पक्ष में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी हेतु प्राविधानित धनराशि रुपये 02,74,000/- के सापेक्ष विश्वविद्यालय के प्रस्तावानुसार वेतनादि मदों हेतु शासनादेश संख्या : 60/XX IV(6)/2009 दिनांक 15 मई 2009 द्वारा रुपये 91,000/- तथा विज्ञापन प्रकाशन तथा पुस्तकों के क्रय हेतु रुपये 1,83,000/- शासनादेश संख्या : 60/XXIV(6)/2009 दिनांक 11 अगस्त 2009 इस प्रकार कुल धनराशि रुपये 2,74,000/- पूर्व में ही स्वीकृत की जा चुकी है। विश्वविद्यालय को वेतन, मजदूरी, यात्रा भत्ता, कार्यालय व्यय, विद्युत व्यय, टेलीफोन, किराया, कम्प्यूटर अनुसंधान तथा अध्ययन केंद्रों के संचालन हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर आलोच्य वित्तीय वर्ष 2009-10 की प्रथम अनुपूरक मांग के तहत स्वीकृत धनराशि रुपये 86,00,000/- (रुपये छियासी लाख मात्र) निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ निवर्तन पर रखते हुए व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- स्वीकृत की गयी धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी नैनीताल के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी । उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के लिए वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 में विहित शर्तों के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा । अवधनवद्द मदों में व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर की स्वीकृति अवश्य प्राप्त की जाएगी ।

3- व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी0जी0एस0एण्डडी0 की दर तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, क्रय की गयी सामग्री का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा ।

4- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा ।

5- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है ।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-आयोजनागत-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-07-राज्य मुक्त विश्वविद्यालय-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।

(7) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या - 777(P)/xxvii(3)/2010 दिनांक 22 जनवरी-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।


भवदीय

(पी०एल० शाह)
उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 39 /XXIV(6)/2009 दिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल
3. जिलाधिकारी, नैनीताल ।
4. कोषाधिकारी, हल्द्वानी ।
5. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
6. निदेशक, एन०आई०सी० उत्तराखण्ड ।
7. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
8. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
10. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,


(वेदीराम)
अनु सचिव ।